पाठ 9

हिन्द महासागर में छोटा-सा हिन्दुस्तान

(प्रस्तुत यात्रा वृत्तान्त में लेखक ने मॉरीशस के सौन्दर्य और यहाँ फैली भारतीय संस्कृति का वर्णन किया है।)

मॉरीशस वह देश है, जिसका कोई भी हिस्सा समुद्र से पन्द्रह मील से ज्यादा दूर नहीं है। मॉरीशस वह देश है, जहाँ की जनसंख्या के 67 प्रतिशत लोग भारतीय मूल के हैं। मॉरीशस वह देश है, जिसकी राजधानी पोर्टलुई की गलियों के नाम कलकत्ता (कोलकाता), मद्रास (चेन्नई), हैदराबाद और बम्बई (मुम्बई) हैं तथा जिसके एक पूरे मोहल्ले का नाम काशी है। मॉरीशस वह देश है, जहाँ बनारस भी है, गोकुल भी है और ब्रह्मस्थान भी।

यात्रा पर मैं दिल्ली से 15 जुलाई को, बम्बई (मुम्बई) से 16 जुलाई को और नैरोबी से 17 जुलाई को मॉरीशस के लिए रवाना हुआ।

इधर से जाते समय नैरोबी (की दुनिया) में मुझे एक रात और दो दिन ठहरने का मौका मिल गया। अतएव मन में यह लोभ जग गया कि मॉरीशस के भारतीयों और अफ्रीकियों से मिलने के पूर्व हमें अफ्रीका के शेरों से मुलाकात कर लेनी चाहिए। विमान दूसरे दिन शाम को मिलने वाला था। अतएव हम जिस दिन नैरोबी पहुँचे, उसी दिन उच्चायुक्त श्री भाटिया के साथ नेशनल पार्क में घूमने को निकल गये। नैरोबी का नेशनल पार्क चिड़ियाघर नहीं है। शहर से बाहर बहुत बड़ा जंगल है, जिसमें घास अधिक, पेड़ बहुत कम हैं। लेकिन, जंगल में सर्वत्र अच्छी सड़कें बिछी हुई हैं और पर्यटकों की गाड़ियाँ उन

पर दौड़ती ही रहती हंै। हमारी गाड़ी को भी काफी देर तक दौड़ना पड़ा, मगर सिंह कहीं दिखायी नहीं पड़े।

दूरी तय करने के बाद या यों कहिए कि दस-बीस मील के भीतर हर सड़क छान लेने के बाद, हम उस जगह जा पहुँचे, जहाँ सिंह उस दिन आराम कर रहे थे।

वहाँ जो कुछ देखा, वह जन्मभर कभी नहीं भूलेगा। कोई सात-आठ सिंह लेटे या सोये हुए थे और उन्हें घेर कर आठ-दस मोटरें खड़ी थीं। तुर्रा यह कि सिंहों को यह जानने की कोई इच्छा ही नहीं थी कि हमें देखने को आने वाले लोग कौन हैं। मोटरों में शीशे चढ़ाकर उनके भीतर बैठे लोगों की ओर सिंहों ने कभी दृष्टिपात नहीं किया, मानो हमलोग तुच्छातितुच्छ हों और उनकी नजर में आने के योग्य बिल्कुल नहीं हों। हमलोग वहाँ आधा घंटा ठहरे होंगे। इस बीच एक सिंह ने उठकर जँभाई ली, दूसरे ने देह को ताना, मगर हमारी ओर किसी भी सिंह ने नजर नहीं उठायी। हम लोग पेड़-पौधे और खरपात से भी बदतर समझे गये।

इतने में कोई मील भर की दूरी पर हिरनों का एक झुण्ड दिखायी पड़ा, जिनके बीच एक जिराफ खड़ा था। अब दो जवान सिंह उठे और दो ओर चल दिये। एक तो थोड़ा-सा आगे बढ़कर एक जगह बैठ गया, लेकिन दूसरा घास के बीच छिपता हुआ मोर्चे पर आगे बढ़ने लगा।

हिरनों के झुण्ड ने ताड़ लिया कि उन पर सिंहों की नजर पड़ रही है। अतएव वे चरना भूलकर चैकन्ने हो उठे। फिर ऐसा हुआ कि झुण्ड से छूटकर कुछ हिरन एक तरफ को भाग निकले, मगर बाकी जहाँ के तहाँ खड़े रहे। इच्छा तो यह थी कि हम लोग देर तक रुकें और देखें क्या होता है। किन्तु समय छह से ऊपर हो रहा था और सात बजे तक नेशनल पार्क का फाटक बन्द हो जाता है। फिर यह भी बात थी कि शिकार तो सिंह सूर्यास्त के बाद किया करते हंै और शिकार वे झुण्ड का नहीं करते, बल्कि उस जानवर का करते हैं, जो भागते हुए झुण्ड से पिछड़ जाता है। अब यह बात समझ में आयी कि हिरन भागने को निरापद नहीं समझ कर एक गोल में क्यों खड़े थे।

नैरोबी से मॉरीशस तक हम बी0ओ0ए0सी0 के विमान मंे उड़े। यह विमान नैरोबी से चार बजे शाम को उड़ा और पाँच घण्टे की निरन्तर उड़ान के बाद जब वह मॉरीशस पहुँचा, तब वहाँ रात के लगभग दस बज रहे थे। रात थी, अँधेरा था, पानी बरस रहा था। मगर तब भी हमारे स्वागत में बहुत काफी लोग खड़े थे। हवाई अड्डे के स्वागत का समां देखकर यह भाव जगे बिना नहीं रहा कि हम जहाँ आये हैं, वह छोटे पैमाने पर भारत ही है।

चूँकि मॉरीशस के भारतीयों में से अधिकांश बिहार और उत्तर प्रदेश के लोग हैं, इसलिए हिन्दी का मॉरीशस में व्यापक प्रचार है। मॉरीशस की हिन्दी प्रचारिणी सभा जीवित जागृत संस्था है।

मॉरीशस की राजभाषा अंग्रेजी, किन्तु बोलचाल की भाषा क्रेयोल है। क्रेयोल के बाद मॉरीशस की दूसरी जनभाषा भोजपुरी को ही मानना पड़ेगा। प्रायः सभी भारतीय भोजपुरी बोलते अथवा उसे समझ लेते हैं। यहाँ तक कि भारतीयों के पड़ोस में रहने वाले चीनी भी भोजपुरी बखूबी बोल लेते हैं। किन्तु मॉरीशस की भोजपुरी शाहाबाद या सारन की भोजपुरी नहीं है, उसमें फ्रेंच के इतने संज्ञापद घुस गये हैं कि आपको बाज-बाज शब्दों के अर्थ पूछने पड़ेंगे। हिन्दी और भोजपुरी मॉरीशस निवासी भारतीयों को एक सूत्र में बाँधे हैं और मॉरीशस को भारत के साथ बाँधने का काम भी हिन्दी ही कर रही है। मॉरीशस में हिन्दू संस्कृति की रक्षा का काम तुलसीदास जी की 'रामचरित मानस' ने किया है।

मॉरीशस में ईख की खेती और उसके व्यवसाय को जो सफलता मिली है, वह भारतीय वंश के लोगों के कारण मिली है। सारा मॉरीशस कृषि प्रधान द्वीप है, क्योंकि चीनी वहाँ का प्रमुख अथवा एकमात्र उद्योग है।

भारत में बैठे-बैठे हम यह समझ नहीं पाते कि भारतीय संस्कृति कितनी प्राणवती और चिरायु है। मॉरीशस जाकर हम अपनी संस्कृति की प्राणवत्ता का ज्ञान आसानी से प्राप्त कर लेते हैं। मालिकों की इच्छा तो यही थी कि भारतीय लोग भी क्रिस्तान हो जायें किन्तु भारतीयों ने अत्याचार तो सहे, लेकिन प्रलोभनों को ठुकरा दिया। वे अपने धर्म पर डटे रहे और जिस द्वीप में परिस्थितियों ने उन्हें भेज दिया था, उस द्वीप को उन्हांेने छोटा-सा हिन्दुस्तान बना डाला। यह ऐसी सफलता की बात है, जिस पर सभी भारतीयों को गर्व होना चाहिए।

मॉरीशस के प्रत्येक प्रमुख ग्राम में शिवालय होता है। मॉरीशस के प्रत्येक प्रमुख ग्राम में हिन्दू तुलसीकृत रामायण का पाठ करते हैं अथवा ढोलक और झाँझ पर उसका गायन करते हैं। मॉरीशस के मन्दिरों और शिवालयों को मैंने अत्यन्त स्वच्छ और सुरम्य पाया। कितना अच्छा हो यदि हम भारत में भी अपने मन्दिरों और तीर्थस्थलों को उतना ही स्वच्छ और सुरम्य बनायें जितना स्वच्छ वे मॉरीशस में दिखाई देते हैं।

वहाँ का परी तालाब भी हिन्दुओं की ऐकान्तिक भक्ति के कारण पुण्यधाम हो उठा है। परी-तालाब केवल तीर्थ ही नहीं, दृश्य से भी पिकनिक का स्थान है। शिवरात्रि के समय सारे मॉरीशस के हिन्दू श्वेत वस्त्र धारण करके कन्धों पर काँवर लिए जुलूस बाँधकर परी तालाब पर आते हैं और परी तालाब का जल लेकर अपने- अपने गाँव के शिवालय को लौट जाते हैं तथा शिवजी को जल चढ़ाकर अपने घरों में प्रवेश करते हैं। ये सारे काम वे बड़ी ही भक्ति-भावना और पवित्रता से करते हैं। सभी वयस्क लोग उस दिन उजली धोती, उजली कमीज, उजली गाँधी टोपी पहनते हैं। हाँ बच्चे हाफ पैन्ट पहन सकते हैं, लेकिन गाँधी टोपी उस दिन उन्हें भी पहननी पड़ती है। परी तालाब पर चलने वाला यह मेला मॉरीशस के प्रमुख आकर्षणों में से एक है और उसे देखने को अन्य धर्मों के लोग भी काफी संख्या में आते हैं।

-रामधारी सिंह 'दिनकर'

रामधारी सिंह 'दिनकर' का जन्म सन् 1908 ई0 में सिमरिया, जिला मुंगेर, बिहार में हुआ था। हिन्दी की राष्ट्रीय धारा के कवियों में दिनकर का महत्त्वपूर्ण स्थान है। प्रगतिशीलता और विचारों की गहराई आपके लेखन की विशेषता है। कविता के साथ गद्य लेखन में भी आप को यश प्राप्त है। 'रेणुका', 'हुंकार', 'रसवन्ती', 'सामधेनी', 'कुरुक्षेत्र', 'रश्मिरथी' और 'उर्वशी' आपकी कविता की पुस्तकंे हैं। संस्कृति के चार अध्याय, मिट्टी की ओर, काव्य की भूमिका आदि आपकी गद्य रचनाएँ हैं। 24 अप्रैल 1974 में इनका निधन हो गया।

शब्दार्थ

दृष्टिपात = देखना । **तुच्छातितुच्छ** = छोटे से छोटा। **निरापद** = आपत्ति से रहित, सुरक्षित। **क्रेयोल** = भोजपुरी और फ्रेंच भाषा के मिश्रण से बनी एक प्रकार की बोली जो मॉरीशस में बोली जाती है। **बाज-बाज** = कोई-कोई। **प्राणवत्ता** = जीवित होने का भाव, शक्ति सम्पन्न। **क्रिस्तान**=ईसाई धर्म मानने वाले। **ऐकान्तिक** = एक निष्ठ। **पुण्यधाम** = पवित्र स्थान, पुण्य का स्थान। **काँवर** = बहँगी। **सुरम्य** = अत्यन्त मनोहर। **वयस्क** = बालिग।

प्रश्न-अभ्यास

कुछ करने को

1. पुस्तकालय से विश्व का मानचित्र लेकर मॉरीशस की स्थिति को रेखांकित कीजिए तथा पता कीजिए-(अ) आपके घर से मॉरीशस जाते समय कौन-कौन से देश पड़ेंगे ? (ब) किन-किन यातायात के साधनों से जाना होगा ?

2. द्वीप शब्द से कई शब्द बनाये जा सकते हैं, जैसे- महाद्वीप, प्रायद्वीप, लघुद्वीप। पता कीजिए इनमें क्या अंतर है।

विचार और कल्पना

1. आपने अपने माता-पिता के साथ किसी स्थान की यात्रा अवश्य की होगी। उस स्थान की विशेषताओं को स्पष्ट करते हुए अपने अनुभव लिखिए।

2. लेखक ने मॉरीशस की यात्रा की, जहाँ भारतीय मूल के लोग बड़ी संख्या में हैं। आपको यदि अवसर मिले तो आप किन देशों की यात्रा करना चाहेंगे, और क्यों ?

3. अगर मॉरीशस में रहने वाला कोई व्यक्ति आपके गाँव/शहर के बारे में जानना चाहे तो तो आप उसे क्या-क्या बतायेंगे ?

यात्रा वृत्तान्त से

1. दिये गये विकल्पों में से सही विकल्प छाँटकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) मॉरीशस की जनसंख्या के ..... प्रतिशत लोग भारतीय मूल के हैं। (76, 67, 17, 68)

(ख) मॉरीशस में भारतीय संस्कृति की रक्षा का काम तुलसीदास जी की ..... ने किया है। (विनयपत्रिका, रत्नावली, रामचरित मानस, गीता)

(ग) मॉरीशस की दूसरी जनभाषा ..... को ही मानना पड़ेगा। (भोजपुरी, अंग्रेजी, क्रेयोल, फ्रेंच)

2. पाठ में आये मॉरीशस के उन सभी गलियों और मोहल्लों के नाम लिखिए, जो अपने देश में भी हैं ?

3. लेखक ने मॉरीशस को 'छोटे पैमाने पर भारत' ही कहा है, क्यों ?

भाषा की बात

1. निम्नलिखित वाक्य में आयी हुई क्रियाओं और संज्ञापदों को रेखांकित कीजिए-

मॉरीशस में ईख की खेती और उसके व्यवसाय को जो सफलता मिली है वह भारतीय वंश के लोगों के कारण मिली है। सारा मॉरीशस कृषि प्रधान द्वीप है, क्योंकि चीनी वहाँ का प्रमुख अथवा एक मात्र उद्योग है।

2. कुछ वाक्य मिश्रित वाक्य होते हैं, जिसमें एक प्रधान वाक्य होता है और उसके सहायक एक अथवा एक से अधिक उपवाक्य होते हैं। जिसका, जहाँ, और आदि लगाकर उपवाक्यों को जोड़ा जाता है।

छाँटिए, निम्नलिखित अंश में से कौन-सा अंश प्रधान वाक्य है और कौन-सा सहायक उपवाक्य है- मॉरीशस वह देश है, जिसका कोई भी हिस्सा समुद्र से पन्द्रह मील से ज्यादा दूर नहीं है। मॉरीशस वह देश है जहाँ की जनसंख्या के 67 प्रतिशत लोग भारतीय मूल के हैं।

3. निम्नलिखित मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

लोभ का जगना, सड़क छानना, मोर्चे पर आगे बढ़ना।

4. पाठ में निम्नलिखित शब्द हिन्दी भाषा में प्रचलित दूसरी भाषा अंग्रेजी, अरबी तथा फारसी के आये हुए हैं। इन शब्दों में से अंग्रेजी, अरबी तथा फारसी के शब्दों को अलग-अलग छाँटकर लिखिए-

इजाजत, सर्विस, एयर इण्डिया, पैमाना, नेशनल पार्क, नजर, रकबा, क्रिस्तान, मोटरों, बाकी, बखूबी, पिकनिक।

5. तुच्छ + अति + तुच्छ से 'तुच्छातितुच्छ' शब्द बनता है जिसका अर्थ है तुच्छ से भी तुच्छ। इसी प्रकार निम्नलिखित शब्दों से नये शब्द बनाइए- दीर्घ, न्यून, उच्च, सूक्ष्म।

6. (क) पाठ के सबसे अन्तिम अनुच्छेद का सुलेख कीजिए।

(ख) इस अनुच्छेद पर चार प्रश्न बनाइए।

(ग) इस अनुच्छेद को उचित शीर्षक दीजिए।

(घ) इस अनुच्छेद के आधार पर एक चित्र बनाइए।

इसे भी जानें

विश्व की सभी भाषाओं में 'चीनी भाषा' बोलने वालों की संख्या सर्वाधिक है। रामधारी सिंह दिनकर को सन् 1959 ई0 में साहित्य अकादमी पुरस्कार तथा सन् 1972 ई. में भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया गया। निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 संविधान के 86 वे संवैधानिक संशोधन मंे मूल अधिकार के अनुच्छेद 21 (प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता) में 21 क शामिल किया गया है, जिसके अनुसार "राज्य 6.14 वर्ष के आयु के सभी को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा उपबन्ध करेगा।"